राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत)

आख्या–02 अक्टूबर 2024

राजकीय महाविद्यालय अमोड़ी (चम्पावत) में आज, 02 अक्टूबर 2024 को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लासपूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य डॉ. अजिता दीक्षित द्वारा ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के साथ हुई। इसके बाद गांधी जी और शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्राचार्य डॉ. अजिता दीक्षित स्वच्छता के महत्व को रेखांकित किया गया तथा विद्यार्थियों, प्राध्यापकों, कार्मिकों और जनजागरण को भी स्वच्छता बनाये रखने तथा प्रयास करने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती पुष्पा नेगी के नेतृत्व में महाविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवियों द्वारा महाविद्यालय परिसर की सफाई की गई और एक स्वच्छता रैली का आयोजन भी किया गया। इसके साथ ही बौद्धिक शिविर में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन और उनके कार्यों पर भाषण एवं प्रेरक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बौद्धिक शिविर में महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, उनके आदर्शों, और उनके योगदान पर केंद्रित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य रूप से निम्नलिखित गतिविधियाँ संपन्न हुईं

भाषण कार्यक्रम–इसमें विद्यार्थियों और शिक्षकों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, उनके आदर्शों, और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। वक्ताओं ने उनके जीवन के प्रेरणादायक पहलुओं पर प्रकाश डाला और उनके सिद्धांतों की प्रासंगिकता पर चर्चा की।

मोटिवेशन कार्यक्रम–इस सत्र में विद्यार्थियों को गांधी जी और शास्त्री जी के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, सादगी, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा पर जोर दिया और युवाओं को नैतिक मूल्यों के पालन की प्रेरणा दी।

अतः इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के सिद्धांतों और उनके आदर्शों की गहरी समझ मिली, जिससे उनमें राष्ट्रसेवा और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ी। गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में छात्रों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण और सक्रिय रही। उनकी भागीदारी निम्नलिखित रूपों में रही––

स्वच्छता अभियान–एनएसएस स्वयंसेवियों ने महाविद्यालय परिसर की सफाई की। उन्होंने स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता रैली निकाली, जिसमें उन्होंने स्वच्छता के महत्व पर जागरूकता फैलाने का कार्य किया।

भाषण कार्यक्रम– कई छात्रों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, उनके सिद्धांतों और उनके योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने गांधी जी के सत्य, अहिंसा, और शास्त्री जी के सादगीपूर्ण जीवन पर विचार रखे, जिससे अन्य छात्रों को भी प्रेरणा मिली।

रैली में सहभागिता–छात्रों ने स्वच्छता रैली में बढ़–चढ़कर भाग लिया। रैली के माध्यम से उन्होंने स्वच्छता का संदेश लोगों तक पहुँचाने की कोशिश की और अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी ली।

मोटिवेशनल कार्यक्रम–मोटिवेशनल सत्र में छात्रों ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया और गांधी व शास्त्री जी के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन में उनके आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0डी0के0गुप्ता व कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती पुष्पा नेगी के द्वारा गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया–

1. महात्मा गांधी के सिद्धांत और योगदान

सत्य और अहिंसा– गांधी जी के जीवन का मुख्य सिद्धांत सत्य और अहिंसा था। उन्होंने अहिंसा के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया और इसे जीवन जीने का तरीका माना।

स्वराज और स्वदेशी– गांधी जी ने स्वराज (स्वशासन) और स्वदेशी (स्थानीय उत्पादन) पर जोर दिया। उन्होंने भारतीयों से विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्त्र अपनाने का आह्वान किया।

समाज सुधारक– गांधी जी ने अस्पृश्यता, जातिवाद, और धार्मिक भेदभाव के खिलाफ कार्य किया और समतावादी समाज के निर्माण का प्रयास किया।

स्वच्छता का संदेश– गांधी जी ने व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता को जीवन का अहम हिस्सा बताया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण है।

ग्राम विकास–उन्होंने ग्राम विकास को सच्चे भारत के उत्थान का आधार बताया और आत्मनिर्भर गांवों की परिकल्पना की।

2. लाल बहादुर शास्त्री के जीवन और आदर्श

सादगी और ईमानदारी– शास्त्री जी का जीवन सादगी और ईमानदारी का प्रतीक था। उन्होंने हमेशा सादा जीवन जिया और सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी को सर्वोपरि माना।

जय जवान, जय किसानरू शास्त्री जी का यह नारा भारतीय कृषि और सैनिकों के महत्व को दर्शाता है। उन्होंने किसानों और सैनिकों के योगदान को राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण बताया।

नेतृत्व और संकट प्रबंधन– शास्त्री जी ने 1965 के भारत–पाक युद्ध के समय उत्कृष्ट नेतृत्व क्षमता दिखाई और देशवासियों का मनोबल ऊंचा रखा।

खाद्य सुरक्षा पर जोर– शास्त्री जी ने देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरित क्रांति को प्रोत्साहित किया और कृषि सुधारों को प्राथमिकता दी।

3. वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिकता–

सामाजिक सुधार– दोनो प्राध्यापकों/वक्ताओं ने यह बताया कि गांधी और शास्त्री जी के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं, चाहे वह सामाजिक सुधार हो, स्वच्छता हो, या ग्रामीण विकास।

युवाओं के लिए प्रेरणा–छात्रों को गांधी जी और शास्त्री जी की जीवन शैली और उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाज और देश के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करने की प्रेरणा दी गई।

स्वच्छता अभियान– गांधी जी के स्वच्छता के संदेश को आगे बढ़ाते हुए वक्ताओं ने छात्रों से इस दिशा में सक्रिय भागीदारी की अपील की। भाषणों के माध्यम से छात्रों को गांधी और शास्त्री जी के आदर्शों और सिद्धांतों को समझने और उन्हें अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा मिली।

इन सभी गतिविधियों में छात्रों की उत्साही भागीदारी ने कार्यक्रम को बेहद ही सफल और सार्थक बनाया। कार्यक्रम में प्रधान सहायक श्री हरीश चन्द्र जोशी, श्री दशरथ वोहरा, श्री महेश लाल, श्री दिनेश चन्द्र रावत उपस्थित रहकर अपना योगदान किये। तथा छात्र/छात्राओं में देवेन्द्र सिह नेगी, अंजली, आशा, विमला, तुलसी, राधा, भागीरथी, निर्मला आदि उपस्थित रहे।

फोटोग्राफी–

जिला-चम्पावत
GPS Map Camera
Champawat, Uttarakhand, भारत
62GX+84X, Bhaunali, Champawat, Bhanauli, Uttarakhand 262523, भारत
Lat 29.225286°
Long 80.046477°
02/10/24 09:00 AM GMT +05:30
Google

प्रशासनिक भवन
स्वच्छता
ही सेवा है 2024

प्रशासनिक भवन

प्रशासनिक भवन

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छता
ही सेवा है 2024

राष्ट्रीय सेवा योजना
स्वच्छता
ही सेवा है 2024

GPS Map Camera
Champawat, Uttarakhand, India
62GX+84X, Bhaunali, Champawat, Bhanauli, Uttarakhand 262523, India
Lat 29.225638°
Long 80.046811°
02/10/24 12:29 PM GMT +05:30
Google